

CHAPTER-10

## कौन

**(EXERCISE-10.1)**

**1-mark**

1. चाँद के न होने पर रात की दिशा कौन दिखाएगा?

उत्तर: यदि चाँद नहीं होता, तो रात में हमें दिशा दिखाने वाला कौन है?

2. सरज के अभाव में सोने-सी चमक कौन लाएगा?

उत्तर: अगर सरज नहीं होता, तो सोने की चमक लाने वाला कौन है?

3. निर्मल नदियों की अभाव में जग की प्यास कौन बुझाएगा?

उत्तर: अगर निर्मल नदियाँ नहीं होतीं, तो जग की प्यास बुझाने वाला कौन है?

4. पर्वतों के अभाव में झरने कौन बहाएगा?

उत्तर: अगर पर्वत नहीं होते, तो झरने बहाने वाला कौन है?

5. पेड़ों के बिना हरियाली कौन लाएगा?

उत्तर: अगर पेड़ नहीं होते, तो हरियाली लाने वाला कौन है?

6. फूलों के बिना खिलने कौन दिखाएगा?

उत्तर: अगर फूल नहीं होते, तो खिलने दिखाने वाला कौन है?

**(EXERCISE-10.2)**

**2-mark**

**1. चाँद का अभाव रात को हमें कैसे प्रभावित करता है?**

**उत्तर:** चाँद का अभाव रात में हमें दिशा नहीं दिखाता, जिससे हम अटश्य हो जाते हैं।

**2. सरज के बिना रात्रि को और कैसे आकर्षक बनाया जा सकता है?**

**उत्तर:** सरज का अभाव हमें सोने की चमक से वंचित करता है, इसलिए दूसरे तत्वों से रात को और आकर्षक बनाया जा सकता है।

**3. निर्मल नदियों की अभाव में जग की प्यास कैसे बढ़ सकती है?**

**उत्तर:** निर्मल नदियों की अभाव में जग की प्यास बढ़ सकती है और लोगों को जल के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

**4. पेड़ों के बिना हरियाली कैसे फील करेगी?**

**उत्तर:** पेड़ों के अभाव में हरियाली की अभाव होगी और प्राकृतिक सौंदर्यिक तत्वों की कमी महसूस होगी।

**5. फूलों के बिना कैसे हमारी ज़िंदगी अधूरी हो सकती है?**

**उत्तर:** फूलों के अभाव में हमारी ज़िंदगी रूखी-सूखी और रूचिरहित हो सकती है, क्योंकि फूलों से हमें खुशी और सौंदर्य मिलता है।

**6. बादलों के बिना इद्रधनुष्ट्र कैसे बन सकता है?**

**उत्तर:** बादलों के अभाव में इद्रधनुष्ट्र नहीं बनेगा, क्योंकि इद्रधनुष्ट्र बनने के लिए बादलों की आवश्यकता होती है।

**7. इस कविता का मुख्य संदेश क्या है?**

**उत्तर:** कविता में सभी प्रश्नों के माध्यम से सुझाया जा रहा है कि हमारे जीवन में प्राकृतिक तत्वों का महत्व है और इनका हमारी जिंदगी पर गहरा प्रभाव होता है।

**(EXERCISE-10.2)**

**2-mark**

**1. चाँद के अभाव में रात कैसे हमें दिशा नहीं दिखाता?**

**उत्तर:** चाँद का अभाव हमें रात्रि में पूर्णतः अंधकार में डाल देता है। चाँद की प्रकाशित किरणों की कमी से हमारे आस-पास का परिदृश्य अदृश्य हो जाता है, जिससे हमें दिशा नहीं दिखाई देती।

**2. सरज के बिना रात्रि में कैसे चमकाता है?**

**उत्तर:** सरज के अभाव में रात्रि को दूसरे प्राकृतिक स्रोतों की चमक से सजीव बनाया जा सकता है। सितारों की चमक और प्राकृतिक प्रकाश से रात्रि भी आकर्षक और चमकीली हो सकती है।

**3. निर्मल नदियों की अभाव में जग की प्यास कैसे बढ़ सकती है?**

**उत्तर:** निर्मल नदियों की कमी से पानी की आपूर्ति में कमी हो सकती है, जिससे लोगों को प्यास महसूस हो सकती है और उन्हें जल प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

**4. पेड़ों के अभाव में हरियाली कैसे फील करेगी?**

**उत्तर:** पेड़ों की कमी से हरियाली में कमी होगी, जिससे प्राकृतिक सौंदर्यिक तत्वों की कमी महसूस होगी और हमारी ज़िंदगी रूखी-सूखी और रूचिरहित हो सकती है।

**5. फूलों के बिना हमारी ज़िंदगी कैसी हो सकती है?**

**उत्तर:** फूलों की कमी में हमारी ज़िंदगी अधूरी हो सकती है, क्योंकि फूल हमें खुशी, सौंदर्य, और सकारात्मक भावनाएं प्रदान करते हैं।

**6. बादलों के बिना इद्रधनुष कैसे बन सकता है?**

**उत्तर:** बादलों के अभाव में इद्रधनुष नहीं बन सकता, क्योंकि इद्रधनुष बनने के लिए बादल की आवश्यकता होती है।

**7. इस कविता का मुख्य संदेश क्या है?**

**उत्तर:** इस कविता के माध्यम से हमें यह सिखने को मिलता है कि प्राकृतिक तत्वों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है और इनका हमारी ज़िंदगी पर गहरा प्रभाव होता है।

**(EXERCISE-10.4)**

**सारांश**

इस कविता में कवि ने प्राकृतिक तत्वों की महत्वपूर्णता पर चर्चा की है और यह प्रश्न किए हैं कि यदि इन प्राकृतिक तत्वों में कुछ भी अभाव होता तो हमारा जीवन कैसा होता। चाँद, सरज, नदियाँ, पर्वत, पेड़, फूल, बादल, और हम खुद इस कविता के माध्यम से यह सोचते हैं कि इनके अभाव में हमारा जीवन खाली और अधूरा होता। कवि ने हर प्रश्न के साथ एक विशेष तत्व को जोड़कर सुंदरता और जीवंतता को बढ़ाया है, जो हमें प्राकृतिक समृद्धि की महत्वपूर्णता को समझाता है। इस कविता में कवि ने हम सभी को यह सिखाने का प्रयास किया है कि हमारी ज़िंदगी में प्राकृतिक संतुलन और समृद्धि का महत्व है।